भारत - कजाकिस्तान संबंध

भारत और कजाकिस्तान के बीच संबंध पुराने एवं ऐतिहासिक हैं जो 2500 साल पहले से चले आ रहे हैं। माल का व्यापार लगातार एवं नियमित रूप से हो रहा है तथा इससे भी अधिक महत्वपूर्ण विचारों, सोच एवं दर्शन का आदान - प्रदान है। भारत से मध्य एशिया में बौद्ध धर्म का प्रवाह तथा मध्य एशिया एवं भारत के बीच सूफी मतों का आदान - प्रदान ऐसे दो उदाहरण हैं। इन गहन संबंधों के साक्ष्य आज भी दोनों देशों के भोजन, भाषा, पोशाक एवं संस्कृति में समानताओं के रूप में मिलते हैं।

भारत कजाकिस्तान की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था। राजनयिक संबंध 1992 में स्थापित हुए। अल्मैटी में भारतीय दूतावास मई 1992 में खोला गया और इसके बाद 1993 में नई दिल्ली में कजाकिस्तान दूतावास खोला गया। कजाकिस्तान की राजधानी 1997 में अल्मैटी से अस्टाना में शिफ्ट हुई। इसके बाद भारतीय दूतावास ने 15 सितंबर 2003 को अस्टाना में अपना प्रतिनिधि कार्यालय खोला। भारतीय दूतावास नवंबर 2007 में अस्टाना में शिफ्ट हो गया तथा प्रतिनिधि कार्यालय अल्मैटी में शिफ्ट हो गया।

भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1955 में इंदिरा गांधी के साथ अल्मैटी की यात्रा की थी। डा. एस राधाकृष्णन ने भारत के उप राष्ट्रपति के रूप में 1956 में कजाकिस्तान का दौरा किया था।

1992 में कजाकिस्तान के स्वतंत्र देश बनने के बाद, दोनों देशों के बीच उच्च स्तर पर विभिन्न यात्राएं हुई हैं। राष्ट्रपति नूरसुल्तान नज़रबाएव ने वर्ष 1992, 1993 (ट्रांजिट), 1996, 2002 और 2009 में 5 बार भारत के दौरे किए हैं। वह 26 जनवरी, 2009 को नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। इस यात्रा के दौरान 'सामरिक साझेदारी पर संयुक्त घोषणा' को अपनाया गया। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हा राव ने 1993 में कजाकिस्तान का दौरा किया, प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई ने जून 2002 में और डा. मनमोहन सिंह ने अप्रैल 2011 में कजाकिस्तान का दौरा किया था। भारत के उप राष्ट्रपति श्री के आर नारायणन और श्री हामिद अंसारी ने क्रमश: 1996 और 2008 में कजाकिस्तान का दौरा किया। इन उच्च स्तरीय यात्राओं ने दोनों देशों के बीच घनिष्ट एवं मधुर द्विपक्षीय संबंधों की ठोस नींव रखी है। जुलाई 2015 में, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कजाकिस्तान का दौरा किया। इस यात्रा से सुदृढ़ द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं तथा दोनों देशों के बीच सामरिक साझेदारी का विस्तार हुआ है।

1993 में स्थापित भारत - कजाकिस्तान अंतर्सरकारी आयोग (आई जी सी) द्विपक्षीय व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय, औद्योगिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने में मुख्य संस्थानिक तंत्र रहा है। भारत की ओर से पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा

कजाकिस्तान की ओर से ऊर्जा मंत्रालय सह अध्यक्ष के रूप में अपने - अपने मंत्रियों के साथ नोडल एजेंसियां हैं। अंतर सरकारी आयोग (आई जी सी) की 12वीं बैठक नई दिल्ली में जून 2015 में हुई। आतंकवाद की खिलाफत, व्यापार एवं आर्थिक सहयोग, सैन्य तथा सैन्य तकनीकी सहयोग, सूचना प्रौद्योगिकी, हाइड्रो कार्बन एवं वस्त्र के क्षेत्रों में संयुक्त कार्य समूहों एवं उप समितियों का गठन किया गया है। नई दिल्ली में जून 2015 में अंतर सरकारी आयोग (आई जी सी) की 12वीं बैठक के दौरान संपर्क पर एक नए संयुक्त कार्य समूह का गठन किया गया है। व्यापार एवं आर्थिक सहयोग पर भारत - कजाकिस्तान संयुक्त कार्य समूह की चौथी बैठक नवंबर 2015 में अस्टाना में हुई थी।

आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के संपूर्ण आयाम पर चर्चा करने के लिए उप विदेश मंत्रियों के स्तर पर विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन अक्सर किया जाता है। पिछले पर विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) का आयोजन मार्च, 2015 में हुआ था।

भारत और कजाकिस्तान सी आई सी ए, एस सी ओ और यूएन संगठन सहित बहुपक्षीय मंचों के तत्वावधान में सक्रिय रूप से आपस में सहयोग करते हैं। भारत एशिया में एकीकरण एवं विश्वासोत्पादक उपायों पर सम्मेलन (सी आई सी ए) का आयोजन करने संबंधी कजाकिस्तान की पहल का निरंतर समर्थन करता रहा है तथा इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेता है। कजाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सदस्यता तथा एस सी ओ की पूर्ण सदस्यता का समर्थन करता है। भारत ने 2017-18 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थाई सदस्यता के लिए कजाकिस्तान की उम्मीदवारी का समर्थन किया है तथा कजाकिस्तान ने 2021-22 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थाई सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है। कजाकिस्तान सभी रूपों एवं अभिव्यक्तियों के आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा करता है तथा अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद की खिलाफत पर व्यापक अभिसमय का समर्थन करता है।

कजाकिस्तान मध्य एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है। अप्रैल से नवंबर 2015 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 341.57 मिलियन अमरीकी डालर था। इस अवधि के दौरान भारत की ओर से कजाकिस्तान को निर्यात का मूल्य 99.34 मिलियन अमरीकी डालर तथा कजाकिस्तान की ओर से भारत को निर्यात का मूल्य 242.23 मिलियन अमरीकी डालर था। कजाकिस्तान को जिन उत्पादों का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से भेषज पदार्थ, चाय, टेलीफोन उपकरण, तंबाकू तथा निर्माण मशीनरी शामिल हैं। भारत द्वारा जिन उत्पादों का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से तेल, यूरेनियम, एस्बेस्टोस एवं टिटैनियम शामिल हैं।

पिछले 5 वर्षों के दौरान व्यापार के आंकड़े :

(मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (अप्रैल से नवंबर 2015)
निर्यात	244.39	286.23	261.51	250.59	99.34
आयात	191.86	139.99	656.33	701.67	242.23
कुल व्यापार	436.25	426.22	917.84	952.26	341.57

स्रोत : वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली

30 सितंबर, 2015 तक की स्थिति के अनुसार कजाकिस्तान की सांख्यिकी के अनुसार, भारत से कजाकिस्तान में कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 282.4 मिलियन अमरीकी डालर है। भारत के निवेश तेल एवं गैस, बैंकिंग, इंजीनियरिंग, रेस्टोरेंट, चाय की पैकेजिंग, भेषज पदार्थों का व्यापार, खनन, इस्पात, यात्रा एजेंसी, व्यापार एवं सेवा आदि जैसे क्षेत्रों में हैं। आर्सेलर मित्तल टेमिरटालु, सन ग्रुप, के ई सी लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक तथा ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड भारतीय स्वामित्व वाली प्रमुख कंपनियां / पी एस यू हैं जो कजाकिस्तान में प्रचालन कर रहे हैं। 30 सितंबर, 2015 तक की स्थिति के अनुसार कजाकिस्तान की कंपनियों का भारत में कुल निवेश 35.1 मिलियन अमरीकी डालर है। कजाकिस्तान का निवेश मुख्य रूप से तेल एवं गैस क्षेत्र तथा इंजीनियरिंग, प्रापण एवं निर्माण (ई पी सी) संविदाओं में है। 7 और 8 जुलाई, 2015 को भारत के प्रधानमंत्री मोदी की कजाकिस्तान यात्रा के दौरान एक संयुक्त व्यवसाय परिषद की स्थापना के लिए फिक्की और चैंबर ऑफ इंटरनेशनल कॉमर्स के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए।

दोनों देश आई एन एस टी सी की रूपरेखा में तथा द्विपक्षीय पहलों के माध्यम से भी सर्फेस कनेक्टिविटी में सुधार के लिए आपस में सहयोग कर रहे हैं।

कैस्पियन सागर में सत्पायेव ऑयल ब्लाक में 25 प्रतिशत शेयर खरीदने के लिए ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड तथा कजमुनाईगैस के बीच करार से हाइड्रो कार्बन के क्षेत्र में सहयोग की एक नई शुरूआत हुई। दोनों देशों द्वारा जुलाई 2015 में भारत के प्रधानमंत्री मोदी की कजाकिस्तान यात्रा के दौरान यूरेनियम की आपूर्ति के लिए एक नई संविदा पर भी हस्ताक्षर किए गए।

भारत और कजाकिस्तान दोनों ही देश बहु जातीय, बहु सांस्कृतिक एवं बहु धार्मिक पंथ निरपेक्ष राष्ट्र हैं। संस्कृति के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच संबंध बहुत घनिष्ट हैं जो कजाकिस्तान में योग, भारतीय फिल्मों, नृत्य एवं संगीत की लोकप्रियता में अभिव्यक्त होता है। इसी तरह कजाकिस्तान का लोक संगीत एवं नृत्य भारत में बहुत लोकप्रिय है। कजाकिस्तान के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर वॉयलिन वादक बिसेनगालीव ने 2006 में भारत के सिम्फोनी ऑर्केस्ट्रा को सपोर्ट किया था।

अस्टाना स्थित भारतीय सांस्कृतिक केंद्र विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में लिप्त है जिसमें योग एवं नृत्य कक्षाओं का आयोजन करना, भारतीय महोत्सव मनाना, सांस्कृतिक परफार्मेंस का आयोजन करना, भारतीय फिल्मों एवं वृत्त चित्रों को दिखाना, कजाकिस्तान में भारतीय सांस्कृतिक मंडलियों के दौरों और भारत में कजाकिस्तान की सांस्कृतिक मंडलियों के दौरों के आयोजन के माध्यम से परफार्मेंस का आयोजन करना, आई सी सी आर छात्रवृत्तियों का वितरण करना तथा शैक्षिक आगंतुक कार्यक्रम के तहत दौरों का अयोजना करना शामिल है।

भारत विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत तथा अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए आई सी सी आर छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षेत्रों में कजाकिस्तान के विशेषज्ञों एवं विद्वानों को प्रशिक्षित करता है। वर्ष 1992 से 1000 से अधिक विशेषज्ञों ने आई टी ई सी के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया है तथा आई सी सी आर कार्यक्रम के तहत 200 से अधिक छात्रों ने भारत में अध्ययन किया है। इस समय कजाकिस्तान को आई टी ई सी के 35 स्लॉटों तथा आई सी सी आर की 15 छात्रवृत्तियों की पेशकश की जा रही है। दिसंबर 2015 में, आई सी सी आर की पुरानी छात्रा सुश्री अकमराल कैनाज़ारोवा, निदेशक, भारतीय शास्त्रीय नृत्य केंद्र को "कजाकिस्तान गणराज्य का सम्मानित कार्यकर्ता (कलाकार)" का सम्मान प्रदान किया गया।

शैक्षिक एवं सामरिक समुदायों के बीच नियमित संपर्कों ने भारत और कजाकिस्तान के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भमिका निभाई है। दोनों देशों की शैक्षिक संस्थाओं के बीच सक्रिय आदान - प्रदान हो रहे हैं।

भारत और कजाकिस्तान ने राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा मुक्त प्रवेश के लिए करार किया है। साधारण पासपोर्ट धारकों को वीजा की जरूरत होती है, जिसके लिए स्थानीय प्रायोजकों द्वारा अगिम में विदेश मंत्रालय के कांसुलर विभाग से वीजा क्लीयरेंस प्राप्त करने के लिए आवेदन करना होता है। सामान्य तौर पर क्लीयरेंस प्राप्त होने की तिथि से एक हफ्ते के अंदर नई दिल्ली में दूतावास द्वारा वीजा जारी किया जाता है। कजाकिस्तान का दौरान करने एवं 5 दिन से अधिक समय तक ठहरने का इरादा रखने वाले भारतीय नागरिकों से हर बार जब वे कजाकिस्तान के दौरे पर जाते हैं, देश में पहुंचने के 5 दिन के अंदर स्थानीय माइग्रेशन पुलिस के यहां पंजीकरण कराने की अपेक्षा होती है। ऐसा न करने पर दंड लग सकता है और गिरफ्तारी हो सकती है।

कजाकिस्तान में तकरीबन 4500 एन आर आई / पी आई ओ हैं। उनमें से अधिकतर निजी क्षेत्र (तेल अन्वेषण, डाउन स्ट्रीम इंडस्ट्री, स्टील एवं आई टी) तथा कारोबार (चाय, भेषज पदार्थ आदि) में हैं। अकटोब, अल्मैटी, कारागंडा और सेमेय में चिकित्सा विश्वविद्यालयों में लगभग 1700 भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं तथा अस्टाना स्थित आबु धाबी प्लाजा, जो निर्माणाधीन है, में लगभग 1800 निर्माण मजदूर काम कर रहे हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, अस्टाना की वेबसाइट : http://indembastana.in
भारतीय दूतावास, अस्टाना का फेसबुक पेज :
भारतीय दूतावास, अस्टाना का ट्विटर लिंक : @indembastana
भारतीय दूतावास, न्यूज लेटर :
http://indembastana.in/news_letter_detail.php?year=2015

***

जनवरी, 2016